# नरसिंहगढ़

## विकास योजना
## (प्रारूप)

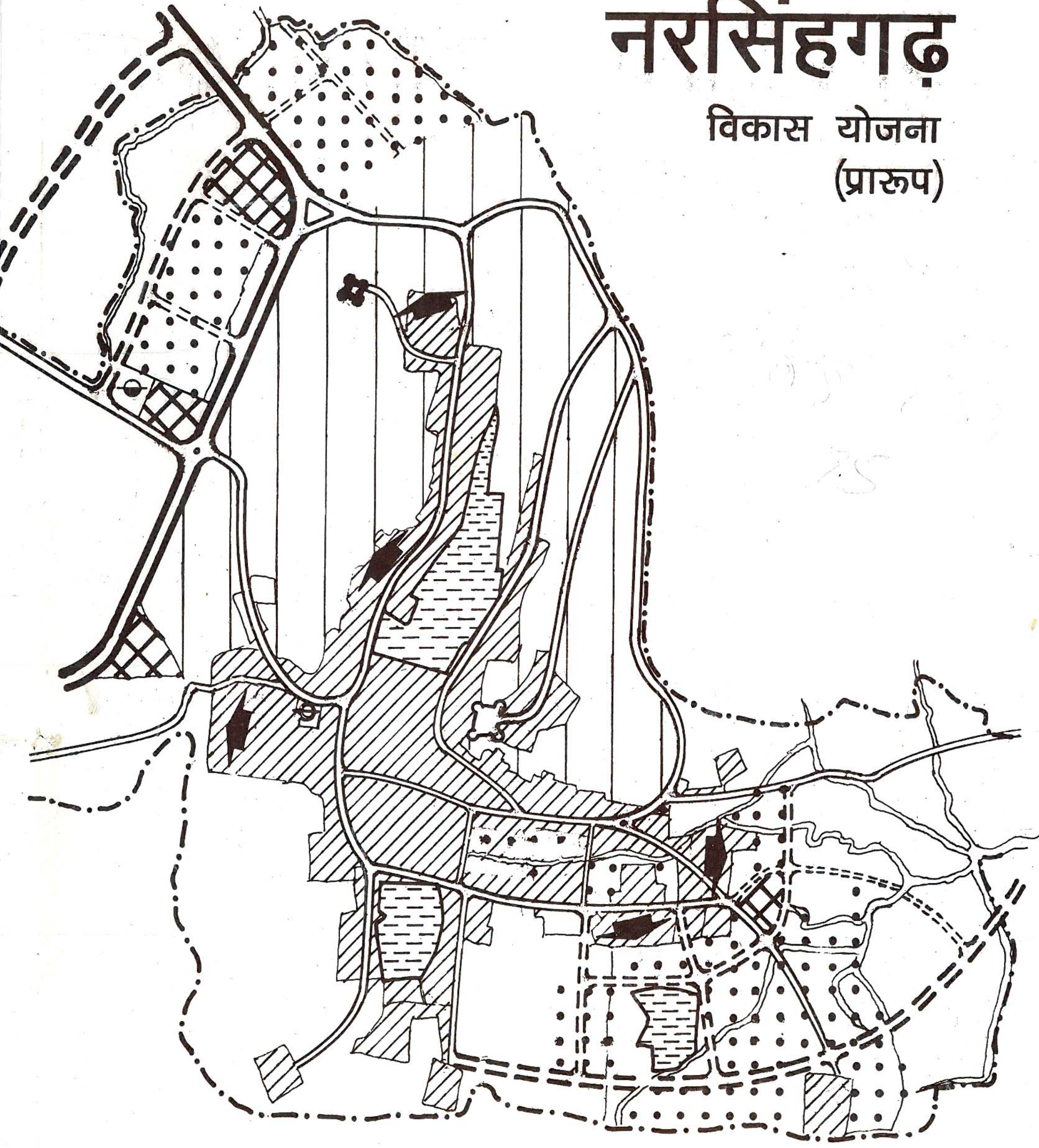

संचालनालय, नगर तथा ग्राम निवेश, मध्य प्रदेश.

# नरसिंहगढ़

## विकास योजना
## (प्रारुप)

**मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम,
1973 के प्रावधानांतर्गत प्रकाशित**

**संचालनालय नगर तथा ग्राम निवेश, मध्यप्रदेश**

# प्रस्तावना

नरसिंहगढ़ , जबलपुर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-12पर स्थित होकर, भोपाल राजस्व संभाग के राजगढ़ जिले का एक तहसील मुख्यालय नगर है। आरक्षित वनों तथा पहाड़ियों से घिरा होने के कारण इसकी भू-भौतिकी मनोहारी एवं आकर्षक है ।

प्रदेश के अन्य मझौले नगरों की तरह नियोजन संबंधी समस्यायें यद्यपि अभी यहां नहीं हैं, किन्तु नगर का पुराना आबादी क्षेत्र सघन एवं समस्याग्रस्त है । नगर में प्राकृतिक सौंदर्य एवं पहाड़ियों के बीच हो रही बसाहट एवं भावी विकास को ध्यान में रखते हुए इसके नियोजित विकास हेतु योजना बनाना आवश्यक है, जिससे नगर के सुनियोजित विकास को दिशा मिल सके । इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए विकास योजना के प्रस्ताव सृजित किये गये हैं ।

विकास योजना के प्रस्ताव वर्ष 2021 की प्रक्षेपित जनसंख्या 60 हजार को ध्यान में रखते हुए तैयार किये गये हैं जिसमें युक्तियुक्त भूमि उपयोग, सक्षम यातायात संरचना एवं नगरीय अधोसंरचना विकास के प्रस्ताव दिए गए हैं।

नरसिंहगढ़ निवेश क्षेत्र की यह विकास योजना जनसामान्य से आपत्ति/ सुझाव आमंत्रित करने हेतु प्रकाशित की जा रही है । आशा है कि नागरिकगण अपने व्यवहारिक एवं सृजनशील सुझावों को प्रस्तुत करेंगे, ताकिं इसे जन आकांक्षाओं के अनुरूप अंतिम रूप देकर प्रभावशील किया जा सके ।

(एस. एन. मिश्रा)
आयुक्त सह संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश
मध्य प्रदेश, भोपाल.

# योजना दल

## अपर संचालक

पी.एन.मिश्रा

## संयुक्त संचालक

| | |
|---|---|
| बी.एन.त्रिपाठी | एस.एस.राठौर |

## उप संचालक

आर.के.पाण्डेय

## सहायक संचालक

| | | |
|---|---|---|
| अमित गजभिये | नजमा नवी | सुप्रिया पेंडके |

## कर्मचारीगण

| | | |
|---|---|---|
| डी.डी.गायकवाड़ | लीलम्मा सी | इन्दु त्रिपाठी |
| अरविन्द सक्सेना | | नसीम इनाम |
| अरूण बराड़पांडे | | पी.एस.बातव |
| सैयद अंसार हुसैन | | जे.के.शील |

## समय–समय पर योजना दल से संबद्ध कर्मचारीगण

| | |
|---|---|
| गोरेलाल वर्मा | अजय अग्रवाल |

# विषय सूची


| | | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| | प्रस्तावना | — |
| | योजना दल | — |
| | विषय सूची | III - V |
| | सारणी सूची | VI - VII |
| | मानचित्रों की सूची | VIII |
| | **भाग-एक : नगर परिचय एवं समस्याओं का विश्लेषण** | |
| **अध्याय-1:** | **नगर परिचय** | **2-5** |
| 1.1 | स्थिति | 1 |
| 1.2 | निवेश क्षेत्र | 2 |
| 1.3 | भौतिक स्वरूप | 2 |
| 1.4 | ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | 2 |
| 1.5 | जनसंख्या परिवर्तन | 2 |
| 1.6 | व्यवसायिक संरचना | 4 |
| **अध्याय-2:** | **वर्तमान भूमि उपयोग एवं आवास** | **6-18** |
| 2.1 | भूमि उपलब्धता | 6 |
| 2.2 | भूमि उपयोग वर्गीकरण - 2005 | 6 |
| 2.3 | वर्तमान भूमि उपयोग | 7 |
| 2.4 | आवासीय घनत्व | 8 |
| 2.5 | आवासों की कमी | 11 |
| 2.6 | थोक एवं फुटकर व्यापार | 12 |
| 2.7 | औद्योगिक | 13 |
| 2.8 | सार्वजनिक अर्द्ध सार्वजनिक | 13 |
| 2.9 | सार्वजनिक सुविधायें एवं सेवायें | 16 |
| 2.10 | आमोद-प्रमोद | 17 |
| 2.11 | यातायात एवं परिवहन | 17 |
| 2.12 | असंगत एवं अकार्यक्षम भूमि उपयोग | 17 |

**अध्याय-6: विकास नियमन** **47-72**

| | | |
|---|---|---|
| 6.1 | प्रवृत्तशीलता | **47** |
| 6.2 | क्षेत्राधिकार | **47** |
| 6.3 | परिभाषाऐं | **48** |
| 6.4 | भूमि उपयोग परिक्षेत्र | **49** |
| 6.5 | नवीन आवासीय क्षेत्र हेतु विकास नियमन | **49** |
| 6.6 | वन आवास (फार्म हाउस) | **51** |
| 6.7 | अनौपचारिक वर्ग के लिए प्रावधान | **52** |
| 6.8 | वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए रूपांकन मार्गदर्शिका | **53** |
| 6.9 | औद्योगिक विकास मानक | **56** |
| 6.10 | सामाजिक अधोसंरचना हेतु मानक | **57** |
| 6.11 | अन्य उपयोग गतिविधियों के नियमन | **60** |
| 6.12 | यातायात एवं परिवहन उपयोग परिक्षेत्र | **61** |
| 6.13 | वाहन विराम स्थल के मापदण्ड | **62** |
| 6.14 | निकास मार्गो की न्यूनतम चोड़ाई | **64** |
| 6.15 | उपयोग परिक्षेत्रों में उपयोग परिसरों की अनुमति | **65** |
| 6.16 | वर्तमान विकसित क्षेत्र हेतु विकास नियमन | **67** |
| 6.17 | संवेदनशील क्षेत्रों हेतु नियमन | **69** |
| 6.18 | नगरीय विरासत वाले क्षेत्रों हेतु नियमन | **70** |
| 6.19 | विकास/निवेश अनुज्ञा प्राप्ति की प्रक्रिया | **71** |
| 6.20 | विकास योजना के प्रस्तावों की प्राप्ति हेतु प्रक्रिया (प्रस्तावित भू-उपयोग) | **72** |

**अध्याय-7: विकास योजना का क्रियान्वयन** **73-80**

| | | |
|---|---|---|
| 7.1 | विकास योजना क्रियान्वयन | **73** |
| 7.2 | योजना क्रियान्वयन की नीति | **74** |
| 7.3 | पर्यावरण प्रबंधन एवं संरक्षण कार्यक्रम | **74** |
| 7.4 | नगरीय अधोसंरचना एवं सेवा योजना | **75** |
| 7.5 | योजना एवं कार्यक्रम | **77** |
| 7.6 | प्रथम चरम कार्यक्रम | **78** |
| 7.7 | योजना पर्यवेक्षण तंत्र | **79** |
| 7.8 | योजना की व्याख्या | **80** |

**परिशिष्ट एवं परिभाषायें**

# सारणी सूची



| सारणी क्रमांक | शीर्षक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| 1-सा-1 | निवेश क्षेत्र | 2 |
| 1-सा-2 | जनसंख्या परिवर्तन | 4 |
| 1-सा-3 | व्यावसायिक संरचना | 4 |
| 2-सा-1 | भूमि उपलब्धता | 6 |
| 2-सा-2 | वर्तमान भूमि उपयोग-2005 | 7 |
| 2-सा-3 | वार्ड अनुसार आवासीय घनत्व | 9 |
| 2-सा-4 | नगर की आवासीय घनता | 10 |
| 2-सा-5 | गंदी बस्तियाँ | 11 |
| 2-सा-6 | आवासों की कमी | 12 |
| 2-सा-7 | दुकानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान | 13 |
| 2-सा-8 | महाविद्यालय एवं तकनीकी संस्थाएँ | 14 |
| 2-सा-9 | उच्चतर माध्यमिक विद्यालय | 14 |
| 2-सा-10 | वर्तमान स्वास्थ्य सेवायें | 15 |
| 2-सा-11 | कार्यालयों | 15 |
| 2-सा-12 | मेलों का आयोजन | 16 |
| 2-सा-13 | असंगत एवं अकार्यक्षम भूमि उपयोग | 18 |
| 4-सा-1 | अनुमानित आवास आवश्यकता | 29 |
| 4-सा-2 | आयवर्ग अनुसार आवास इकाईयों की आवश्यकता | 30 |
| 4-सा-3 | प्रस्तावित भूमि उपयोग एवं भू-आवंटन-2021 | 31 |
| 4-सा-4 | निवेश इकाईयाँ | 31 |
| 4-सा-5 | भूमि आवंटन (विकसित क्षेत्र) | 32 |
| 4-सा-6 | असंगत एवं अकार्यक्षम भूमि उपयोगों की पुनर्स्थापना एवं रिक्त भूमि का विकास | 38 |

| | | |
|---|---|---|
| 5-सा-1 | मार्गों की प्रस्तावित चौड़ाई | 41 |
| 5-सा-2 | वर्तमान मार्गों की प्रस्तावित चौड़ाई | 42 |
| 6-सा-1 | उपयोग परिक्षेत्र | 49 |
| 6-सा-2 | आवासीय भूखण्डों के विकास मापदण्ड | 50 |
| 6-सा-3 | अनौपचारिक वर्ग के लिए योजना प्रावधान | 52 |
| 6-सा-4 | वाणिज्यिक विकास हेतु मापदण्ड | 53 |
| 6-सा-5 | थोक वाणिज्यिक विकास हेतु अभिन्यास के मानक | 54 |
| 6-सा-6 | औद्योगिक क्षेत्र हेतु विकास मापदण्ड | 57 |
| 6-सा-7 | सेवा-सुविधाओं हेतु मापदण्ड | 58 |
| 6-सा-8 | सामुदायिक सेवा-सुविधाओं के मापदण्ड | 59 |
| 6-सा-9 | खुले स्थलों एवं आमोद क्षेत्रों के मापदण्ड | 60 |
| 6-सा-10 | यातायात नगर/मैकेनिक नगर के मानक | 61 |
| 6-सा-11 | यातायात नगर में सुविधाओं के मापदण्ड | 62 |
| 6-सा-12 | वाहन विराम मापदण्ड | 63 |
| 6-सा-13 | सड़कों के किनारे वाहन विराम स्थल का आधार | 64 |
| 6-सा-14 | स्वीकृत एवं स्वीकार्य उपयोग | 65 |
| 6-सा-15 | वर्तमान आवासीय विकास हेतु भूखण्ड का आकार एवं निर्मित क्षेत्र | 67 |
| 6-सा-16 | सार्वजनिक तथा अर्द्ध सार्वजनिक हेतु विकास मापदण्ड | 69 |
| 7-सा-1 | योजना कार्यान्वयन की लागत | 74 |
| 7-सा-2 | प्रथम चरण कार्यक्रम की लागत एवं अनुमानित व्यय | 79 |

# मानचित्रों की सूची



| क्रमांक | विवरण शीर्षक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| 1.1 | निवेश क्षेत्र | 2-अ |
| 1.2 | क्षेत्रीय स्थिति | 2-अ |
| 2.1 | वर्तमान भूमि उपयोग | 8-अ |
| 3.1 | वर्तमान परिभ्रमण संरचना | 20-अ |
| 4.1 | विकास योजना | 32-अ |
| 5.1 | प्रस्तावित परिभ्रमण संरचना | 42-अ |
| 7.1 | प्रथम चरण | 80-अ |

# भाग - एक

# नगर परिचय एवं समस्याओं का विश्लेषण

# नरसिंहगढ़

## 1.1 निवेश क्षेत्र

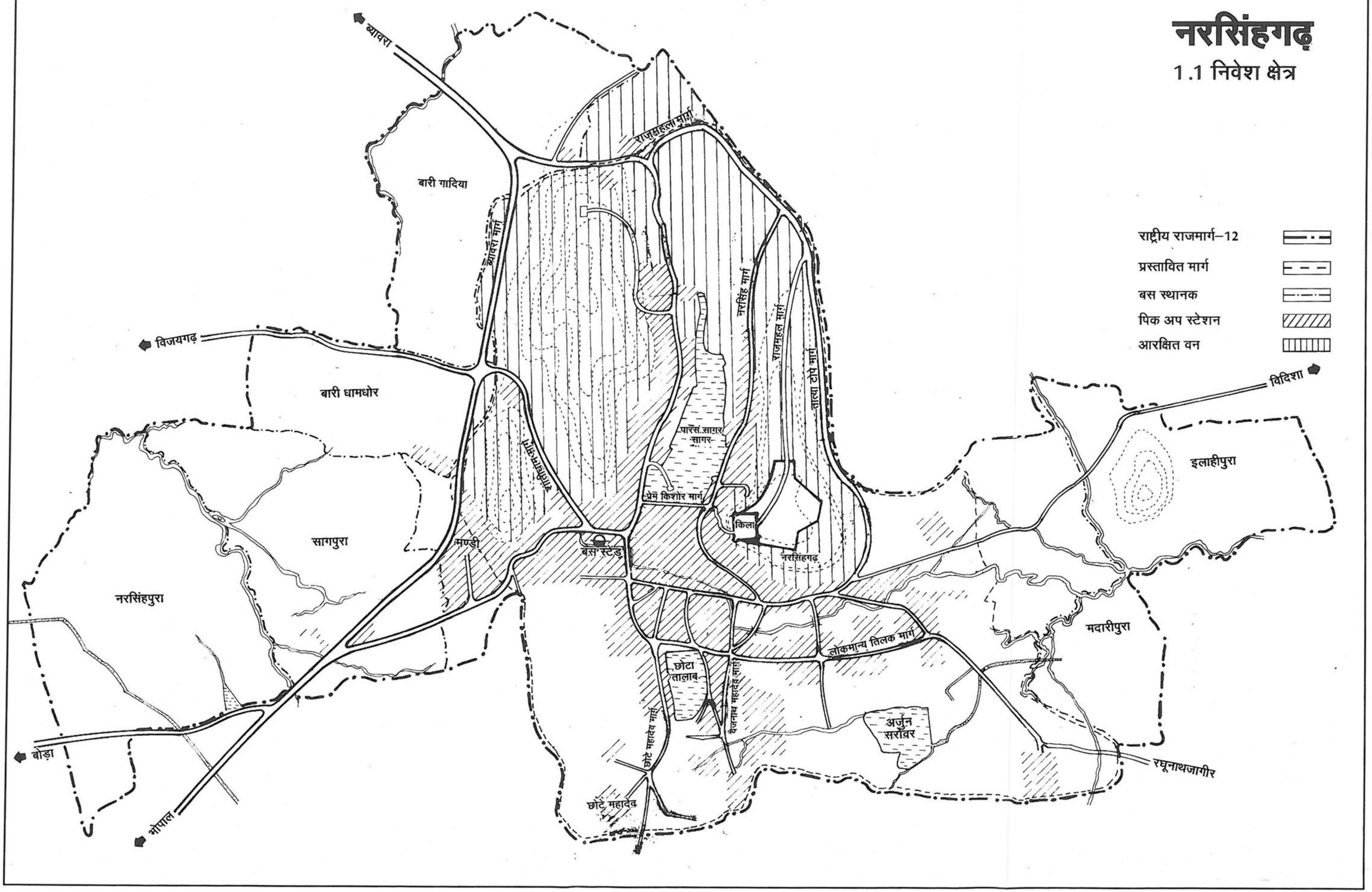

# नरसिंहगढ़

## 1.2 क्षेत्रीय बसाहट

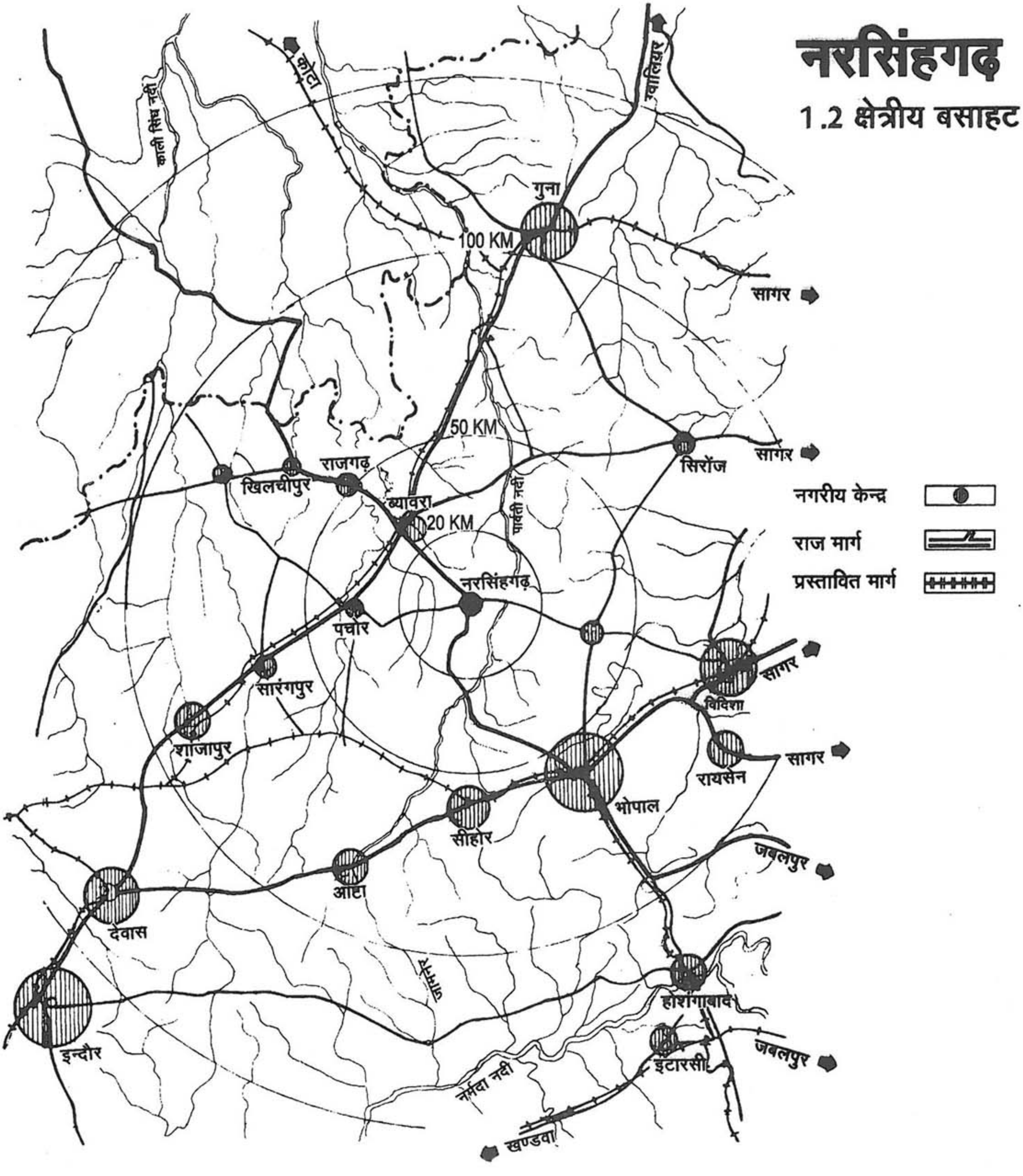

# अध्याय - 1
# नगर परिचय

## 1.1 स्थिति

जबलपुर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 12 पर स्थित नरसिंहगढ़ नगर भोपाल संभाग के राजगढ़ जिले की एक प्रमुख तहसील है। यहां से जिला मुख्यालय राजगढ़ उत्तर दिशा में सड़क मार्ग द्वारा 58 किलोमीटर एवं राजधानी भोपाल से सड़क मार्ग से लगभग 85 किलोमीटर की दूरी पर दक्षिण दिशा में स्थित है।

पहाड़ियों एवं सुरम्य वनों से घिरा नरसिंहगढ़ नगर, $23^0$ 43' उत्तरीय अक्षांश तथा $77^0$ 06' पूर्वी देशांश एवं समुद्र सतह से लगभग 539 मीटर ऊंचाई पर स्थित है।

## 1.2 निवेश क्षेत्र

नगर के भावी विकास को नियोजित एवं योजनाबद्ध करने हेतु मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 (क्रमांक 23 सन् 1973) की धारा 13(1) के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग की अधिसूचना क्रमांक 2574/2647/32, भोपाल, दिनांक 29 जून 1978 द्वारा नरसिंहगढ़ निवेश क्षेत्र का गठन किया गया है। निवेश क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 1873.72 हेक्टर है। जिसमें नरसिंहगढ़ नगरपालिका क्षेत्र तथा 6 ग्राम सम्मिलित है। निवेश क्षेत्र में वर्ष 2001 की जनगणना अनुसार जनसंख्या एवं क्षेत्रफल का विवरण निम्न सारणी में दर्शाया गया है। :-

### नगरसिंहगढ़ : निवेश क्षेत्र

1-सा-1

| क्रमांक | ग्राम का नाम | क्षेत्रफल हेक्टर में | जनसंख्या (2001) |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 5 |
| 1. | बारीगादिया | 111.41 | 50 |
| 2. | धामधौर (वार) | 63.38 | 23 |
| 3. | नरसिंहपुरा | 147.60 | 247 |
| 4. | सागपुर | 130.03 | 261 |
| 5. | मदारीपुरा | 41.15 | 25 |
| 6. | इलाहीपुरा | 85.15 | 377 |
| योग-(अ) | | 578.72 | 983 |
| योग नगरपालिका क्षेत्र (ब) | | 1295.00 | 27657 |
| निवेश क्षेत्र (अ+व) | | 1873.72 | 28640 |

स्त्रोत : भारत की जनगणना 2001

### 1.2.1 नगरपालिका क्षेत्र

नगरपालिका का अस्तित्व नगरसिंहगढ़ स्टेट में वर्ष 1908-1909 में था वर्ष 1924-1925 में यहां नरसिंहगढ़ स्टेट म्यूनिसिपल एक्ट प्रभावशील हुआ, उस समय स्टेट के दीवान नगरपालिका के अध्यक्ष होते थे। उक्त अधिनियम मध्यभारत बनने के पश्चात् भी प्रभावशील रहा। जो बाद में मध्यभारत, म्यूनिसिपल एक्ट 1954 तथा तत्पश्चात् मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 से प्रतिस्थपित किया गया। नरसिंहगढ़ नगर पालिका में वर्ष 1954 में 8 वार्ड थे। वर्तमान नगर पालिका क्षेत्र को 15 वार्डों में विभाजित किया, जिसका क्षेत्रफल 1295 हेक्टर है।

## 1.3 भौतिक स्वरूप

नरसिंहगढ़ नगर (पूर्व नरसिंहगढ़ स्टेट) आरक्षित वनों से लगा तथा पहाड़ियों से घिरा होने के कारण प्राकृतिक रूप से मनोरम नगर है। नगर के उत्तर में परसराम सागर, दक्षिण में छोटा तालाब तथा दक्षिण-पूर्व में अर्जुन सरोवर होने से इसकी मनोहारी एवं आकर्षण भू-भौतिकी में वृद्धि हुई है, साथ ही उत्तर-पूर्व की पहाड़ी पर नरसिंहगढ़ किला, पश्चिम-उत्तर पहाड़ी पर हनुमानगढ़ी, पश्चिम पहाड़ी पर विश्रामगृह, दक्षिण पहाड़ी पर छोटा महादेव, बड़ा महादेव तथा हिंगलाज माता का मंदिर होने से नगर का भौतिक विकास प्रभावित हुआ है।

### 1.3.1 जलवायु

नरसिंहगढ़ नगर में शीत ऋतु माह अक्टूबर से फरवरी तक, ग्रीष्म ऋतु मार्च से जून तक तथा वर्षा ऋतु सामान्यतः जुलाई से सितम्बर तक रहती है। यहां की वार्षिक औसत वर्षा 1191.78 मि.मी. दर्ज की गई है। ग्रीष्म ऋतु में अधिकतम तापमान 43.6° सेल्सियस तथा शीत ऋतु में न्यूनतम तापमान 6.6° सेल्सियस तक पहुंच जाता है। वर्ष में वायु प्रवाह की दिशा अधिकांश समय दक्षिण पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर रहती है।

## 1.4 ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

नरसिंहगढ़ स्टेट की स्थापना सर्वप्रथम 1681 ईस्वी में उसके प्रमुख परसराम द्वारा ग्राम टोपालिया महादेव पर की गयी थीं, यह स्थल वर्तमान में बैजनाथ महादेव के आसपास की बसाहट है। इस नगर का वर्तमान नाम भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार से लिया गया है। तत्कालीन शासक परसराम विष्णु का भक्त होने के साथ-साथ धार्मिक प्रवृत्ति का था। परसराम के बाद के शासकों द्वारा भी नगर में राम तथा कृष्ण के कई मंदिर बनवायें गये। वर्ष 1901 में नरसिंहगढ़ में रहने वाले 8778 व्यक्तियों के लिए एक विश्राम गृह, एक अस्पताल, एक स्कूल, डाक एवं तार घर, कस्टम कार्यालय, जेल तथा नगर पालिका स्थित थी।

## 1.5 जनसंख्या परिवर्तन

1901 में नगर की जनसंख्या 8778 थी, जो 2001 में 27657 हुई। किन्तु 1911-1921 तथा 1941-1951 के दशक में प्लेग, चेचक, हैजा आदि जैसी महामारियों एवं राजनैतिक बदलाव के परिणाम स्वरूप जनसंख्या में कमी हुई तदुपरांत नगर जनसंख्या में आव्रजन प्रवृत्ति के फलस्वरूप वृद्धि हुई। वर्ष 1991-2001 के दशक में नगर जनसंख्या में 24.82 प्रतिशत की वृद्धि होना पाया गया है। नगर में

स्त्री-पुरूष वर्ष 1991 एवं 2001 की जनगणना अनुसार 916 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष है, जबकि वर्ष 1961, 1971 एवं 1981 में यह अनुपात क्रमश: 893, 873 एवं 883 था।

## नरसिंहगढ़ : जनसंख्या वृद्धि

1-सा-2

| वर्ष | जनसंख्या | दशक वृद्धि/कमी |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1901 | 8778 | – |
| 1911 | 9164 | 4.40 |
| 1921 | 8762 | (–)4.39 |
| 1931 | 9241 | 5.47 |
| 1941 | 11036 | 19.42 |
| 1951 | 9933 | (–)9.99 |
| 1961 | 11558 | 16.36 |
| 1971 | 13814 | 19.52 |
| 1981 | 17572 | 27.20 |
| 1991 | 22157 | 26.09 |
| 2001 | 27657 | 24.82 |

स्त्रोत: भारत की जनगणना

### 1.6 व्यवसायिक संरचना

वर्ष 2001 की जनगण- के आधार पर नरसिंहगढ़ नगर में प्रति हजार जनसंख्या के पीछे श्रमिकों की संख्या 563 है जबकि वर्ष 1991 में 254 थी। वर्ष 2001 में प्राथमिक क्षेत्र में 32 प्रतिशत द्वितीयक क्षेत्र में 3.26 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र में 64.65 प्रतिशत श्रमिक पाये गये है।वर्ष 2001 की व्यवसायिक संरचना निम्न सारणी में दर्शित है। :-

## नरसिंहगढ़ : व्यवसायिक संरचना

1-सा-3

| वर्ग/प्रकार | कार्यशील व्यक्ति/श्रमिक | प्रतिशत | प्रति 1000 जनसंख्या पर श्रमिकों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| (अ) प्राथमिक क्षेत्र | | | |
| 1. काश्तकार | 2811 | 18.06 | 101.63 |
| 2. खेतीहर मजदूर | 2183 | 14.03 | 78.93 |
| योग– | 4994 | 32.09 | 180.56 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ब) द्वितीयक क्षेत्र | | | |
| 3. पारिवारिक उद्योग कर्मी | 508 | 3.26 | 18.36 |
| योग- | 508 | 3.26 | 18.36 |
| (स) तृतीयक क्षेत्र | | | |
| 4. अन्य कर्मी | 10063 | 64.65 | 363.85 |
| योग- | 10063 | 64.65 | 363.85 |
| महायोग (अ+ब+स) | 15565 | 100.00 | 562.68 |

स्त्रोत: भारत की जनगणना 1991

### 1.6.1 व्यापार एवं कृषि उपज

नगर की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार यहां के समीपस्थ ग्रामों के कृषि उत्पाद एवं व्यापार है। नगर के पश्चिमी छोर पर विकसित कृषि उपज मण्डी में कृषक अपना उत्पाद विक्रय हेतु यहां लाते है। यहां के प्रमुख कृषि उत्पादन में सोयाबीन, चना, गेंहूं, ज्वार तथा मक्का है।, यहां का मंडी प्रांगण लगभग 6 हेक्टर भूमि पर विकसित है। वर्ष 1995-96 में 3.7 लाख क्विंटल कृषि उत्पाद मण्डी में विक्रय हेतु लाया गया जबकि 2000-2001 में 7.01 लाख क्विंटल की आवक हुई। यहां से हरी साग सब्जी नित्य भोपाल, ब्यावरा, कुरावर आदि जगहों पर भेजी जाती है।

### 1.6.2 नगरपालिका की वित्तीय स्थिति

नगर की आर्थिक क्षमता का अनुमान स्थानीय संस्था के आय-व्यय पत्रक से लगाया जा सकता है। नगरपालिका से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 1995-96 में आय लगभग 69.88 लाख तथा व्यय लगभम 82.54 लाख रुपये था तथा वर्ष 2000-2001 में आय 104.01 तथा व्यय 101.32 लाख रुपये था। इस प्रकार उक्त अवधि में स्थानीय निकाय की आय में वृद्धि हुई है। जिससे नगर की आर्थिक स्थिति में उन्नयन परिलक्षित होता है।

### 1.6.3 नगर के मुख्य कार्यकलाप

नगर के मुख्य कार्यकलाप निम्न गतिविधियों पर आधारित है :-

1. तहसील स्तरीय प्रशासकीय केन्द्र।
2. कृषि उत्पादन संबंधी व्यापारिक केन्द्र।
3. पशुपालन आधारित व्यवसाय केन्द्र।
4. शैक्षणिक केन्द्र।
5. धार्मिक स्थल।

# अध्याय – 2
# वर्तमान भूमि उपयोग एवं आवास

नरसिंहगढ़ नगर की बसाहट ''नरसिंहगढ़ स्टेट'' की स्थापना के समय से है। निवेश क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 12 के फलस्वरूप नगरीय बसाहट प्रभावित हुई है। वर्तमान में यह नगर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 12 की पूर्वी दिशा में बसा हुआ है। नगर के विकास में प्राकृतिक अवरोध निम्नानुसार रहें :-

1. नगर के दक्षिण में स्थित पहाड़ियाँ एवं वन्य प्राणी अभ्यारण्य
2. नगर के पूर्व में स्थित कन्तोड़ा पहाड़ एवं आरक्षित वन।
3. नगर के पूर्वोत्तर में स्थित नरसिंहगढ़ किले का पहाड़ एवं परसराम सागर।
4. पश्चिम में स्थित आरक्षित वन एवं विश्राम गृह से लेकर हनुमानगढ़ी तक स्थित पहाड़ियाँ।

उपरोक्त प्राकृतिक अवरोधों के कारण नगर का मध्य क्षेत्र सघन बसा हुआ है।

## 2.1 भूमि उपलब्धता

नरसिंहगढ़ निवेश क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 1873.72 हेक्टर है जिसमें नगर पालिका का 1295 हेक्टर क्षेत्र भी सम्मिलित है। भूमि उपलब्धता का विस्तृत विवरण निम्न सारणी में दर्शित है।

**नरसिंहगढ़ : भूमि उपलब्धता** 2-सा-1

| क्रमांक | भूमि उपयोग | क्षेत्रफल (हेक्टर में) | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | विकसित क्षेत्र | 187.45 | 10.00 |
| 2. | अनुपयुक्त भूमि | | |
| अ- | जलाशय / नाला | 31.61 | 1.69 |
| ब- | अन्य | 20.40 | 1.09 |
| स- | आरक्षित वन एवं वन्य प्राणी अभ्यारण्य | 548.00 | 29.25 |
| 3. | कृषि/उपयोगी भूमि | 1086.26 | 57.97 |
| | योग- | 1873.72 | 100.00 |

स्त्रोत:नगर तथा ग्राम निवेश का सर्वेक्षण।

## 2.2 भूमि उपयोग वर्गीकरण

नगर की विभिन्न गतिविधियों के अनुरूप भूमि उपयोग का निर्धारण भिन्न-भिन्न उपयोगों में होता है, जिसका नगर की गतिविधियों से सीधा संबंध है। इन उपयोगों के आपसी सहसंबंध एवं उपयोगिता

का अध्ययन किया गया है। ताकि नगर में संचालित असंगत एवं अकार्यक्षम उपयोगों का चयन किया जा सके। भूमि उपलब्धता के आंकलन हेतु भूमि उपयोग को निम्नानुसार 10 वर्गो में विभाजित किया गया है :-

1. आवासीय 2. वाणिज्यिक, 3. औद्योगिक, 4. सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक, 5. सार्वजनिक सेवायें एवं सुविधायें, 6. आमोद-प्रमोद, 7.यातायात एवं परिवहन, 8.कृषिभूमि, 9.जलाशय (नदी/नाले/तालाब), 10. रिक्त भूमि।

उपरोक्त भूमि उपयोग वर्गीकरण के आधार पर नगर के वर्तमान भूमि उपयोग मानचित्र मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 के अंतर्गत तैयार कर वैधानिक रूप से तैयार किये गये है।

## 2.3 वर्तमान भूमि उपयोग - 2005

नगर के भावी स्वरूप का अनुमान तथा भावी विकास की आवश्यकतानुसार विकास योजना तैयार करने हेतु भूमि उपयोग का अध्ययन अति आवश्यक है। अतः इस हेतु म. प्र. शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग कीं अधिसूचना दिनांक 29.6.1978 द्वारा नरसिंहगढ़ निवेश क्षेत्र के वर्तमान भूमि उपयोग मानचित्र का अधिनियम की धारा 15 के अंतर्गत वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए दिनांक 15.9.1980 को सम्यक रूप से अंगीकृत किया गया।

चूंकि नगर विकास एक सतत् प्रक्रिया है। अतः वर्ष 1980 से स्थरीकृत वर्तमान भूमि उपयोग को वर्ष 2005 में वास्तविक स्थिति के अनुरूप अद्यतन किया गया है तथा भूमि उपयोग वर्गीकरण निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

### नरसिंहगढ़ : वर्तमान भूमि उपयोग - 2005

2-सा-2

| क्रमांक | भूमि उपयोग | क्षेत्रफल हेक्टर में | प्रतिशत | विकसित क्षेत्र क्षेत्रफल हेक्टर में | विकसित क्षेत्र प्रतिशत | भूमि दर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | आवासीय | 74.50 | 3.98 | 74.50 | 39.75 | 2.57 |
| 2 | वाणिज्यिक | 9.06 | 0.48 | 9.06 | 4.83 | 0.31 |
| 3 | औद्योगिक | 1.77 | 0.09 | 1.77 | 0.94 | 0.06 |
| 4 | सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक | 46.13 | 2.46 | 46.13 | 24.61 | 1.59 |
| 5. | सार्वजनिक सुविधायें एवं सेवायें | 11.54 | 0.62 | 11.54 | 6.16 | 0.40 |
| 6 | आमोद-प्रमोद | 558.00 | 29.78 | 10.00 | 5.33 | 0.39 |
| 7 | यातायात एवं परिवहन | 34.45 | 1.84 | 34.45 | 18.38 | 1.19 |
| 8 | कृषि भूमि | 1086.26 | 57.97 | - | - | - |
| 9 | जलाशय | 31.61 | 1.69 | - | - | - |
| 10 | रिक्त भूमि | 20.40 | 1.09 | - | - | - |
| | योग- | 1873.72 | 100.00 | 187.45 | 100.00 | 6.51 |

स्त्रोत : नगर तथा ग्राम निवेश का सर्वेक्षण ।

# नरसिंहगढ़

## 2.1 वर्तमान भूमि उपयोग

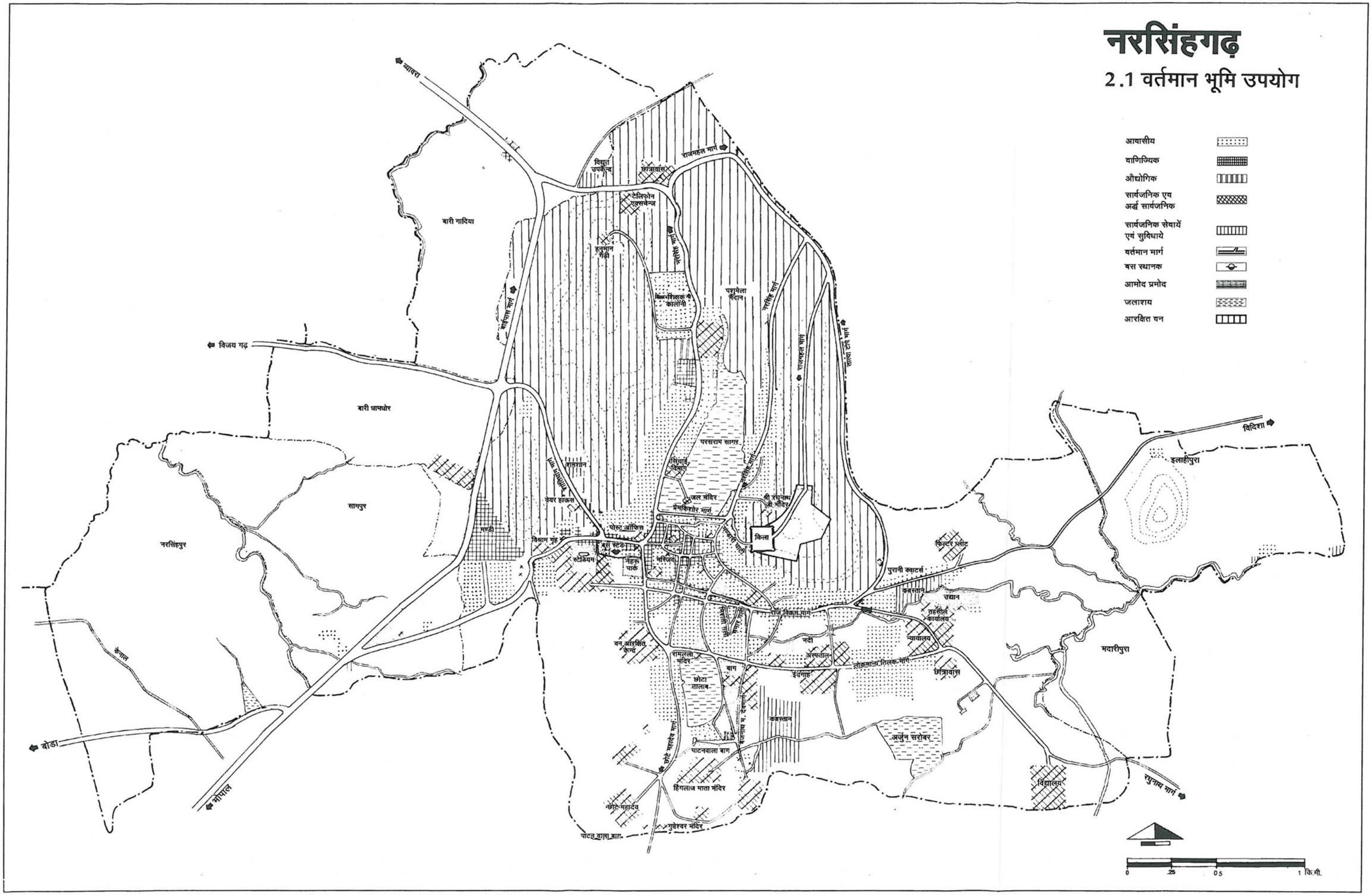

टीप - आमोद-प्रमोद भू-उपयोग के अंतर्गत वन्य प्राणी अभ्यारण्य की 174.00 हेक्टर तथा आरक्षित वन 374.00 हेक्टर भूमि सम्मिलित है।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि नगर में आवासीय एवं वाणिज्यिक उपयोग में भूमि का प्रतिशत सामान्य है, वहीं नगर में वर्तमान में चलित औद्योगिक उपयोग नगण्य है। सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग में भूमि का प्रतिशत नगर में स्थिति बड़े-बड़े शैक्षणिक परिसर, प्रशासकीय परिसर एवं सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिक्षेत्रों के कारण अधिक है।

आमोद-प्रमोद गतिविधि हेतु नगर में बहुत ही कम स्थान है। यातायात एवं परिवहन क्षेत्र में भूमि उपयोग की दर नगर स्तर पर सामान्य से कम है। सार्वजनिक सेवायें एवं सुविधाओं के अंतर्गत भू-उपयोग प्रतिशत सामान्य है।

वर्तमान में नगर में मूलभूत सेवा-सुविधाओं की अपर्याप्तता: है। नगर की वर्ष 2001 की जनसंख्या के आधार पर भू उपयोग दर 6.51 हेक्टर प्रति हजार जनसंख्या आती है। जबकि सकल घनत्व 65 व्यक्ति प्रति हेक्टर है, जो सामान्य प्रतीत होता है।

## 2.4 आवासीय घनत्व

नरसिंहगढ़ नगर की विद्यमान आवासीय संरचना के अध्ययन अनुसार नगर पालिका क्षेत्र मध्यम सघन है, इसका औसत आवासीय घनत्व 389 व्यक्ति प्रति हेक्टर है। आवासीय उपयोग के अंतर्गत 39.75 प्रतिशत भूमि हैं। जो 2.57 हेक्टर प्रति हजार जनसंख्या की भूमि उपयोगिता दर परिलक्षित करती है। नगर में स्थित पुरानी बस्ती का क्षेत्र अत्यंत सघन तथा यातायात समस्या से ग्रस्त है। वर्तमान में नगर के वार्ड क्रमांक 6 मे सबसे अधिक घनत्व 1142 व्यक्ति प्रति हेक्टर तथा सबसे कम घनत्व 185 व्यक्ति प्रति हेक्टर वार्ड क्रमांक 7 में है।

नगर के विभिन्न वार्डो का आवासीय घनत्व निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

## नरसिंहगढ़ : वार्ड अनुसार आसावीय घनत्व

2-सा-3

| वार्ड क्रमांक | वार्ड का नाम | क्षेत्रफल (हेक्टर में) | अनुमानित जनसंख्या (2001) | आवासीय क्षेत्रफल (हेक्टर में) | आवासीय घनत्व प्रति व्यक्ति/ हैक्टर |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | थावरिया वार्ड | 153.50 | 1854 | 8.1 | 229 |
| 2. | बड़ा बाजार वार्ड | 18.00 | 1412 | 4.5 | 314 |
| 3. | सूरजपोल वार्ड | 198.00 | 1766 | 6.6 | 268 |
| 4. | अस्पताल वार्ड | 266.00 | 2595 | 7.5 | 346 |
| 5. | अर्जुन गौशाला वार्ड | 28.00 | 1863 | 2.2 | 847 |
| 6. | रामकुन्ड वार्ड | 8.40 | 1828 | 1.6 | 1142 |
| 7. | महादेवपुरी वार्ड | 18.00 | 1777 | 9.6 | 185 |
| 8. | अदावत गंज वार्ड | 6.20 | 1476 | 1.8 | 820 |
| 9. | जवाहरगंज वार्ड | 92.60 | 1887 | 4.3 | 439 |
| 10. | सुभापगंज वार्ड | 15.70 | 1807 | 4.0 | 452 |
| 11. | पाल परसरामपुरा वार्ड | 40.00 | 1584 | 1.8 | 880 |
| 12. | बगूची वार्ड (वाराद्वारी) | 139.40 | 2025 | 3.6 | 563 |
| 13. | बारद्वारी वार्ड | 48.60 | 1831 | 2.1 | 872 |
| 14. | महावीरपुरा वार्ड | 108.80 | 2062 | 5.9 | 350 |
| 15. | बैजनाथ महादेव वार्ड | 153.80 | 1890 | 3.8 | 497 |
| योग (अ) | | 1295.00 | 27657 | 67.4 | 410 |
| बाह्य वृद्धि क्षेत्र (ब) | | 578.72 | 983 | 7.1 | 180 |
| महायोग (अ+ब) | | 1873.72 | 28640 | 74.5 | 590 |

स्त्रोत: नगर तथा ग्राम निवेश :

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि नगरपालिका क्षेत्र का कुछ भाग अत्याधिक सघन तथा बाह्य वृद्धि क्षेत्र में विकास विरल है। आवासीय क्षेत्र में घनत्व का कारण मकानों का पास-पास स्थित होना तथा मार्गो का संकीर्ण होना है। नगर के आवासीय घनत्व को दृष्टिगत रखते हुए निम्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है :-

## नरसिंहगढ़ : नगर की आवासीय घनता

2-सा-4

| आवासीय घनता | वार्ड क्रमांक | जनसंख्या | आवासीय क्षेत्र हेक्टर में | जनसंख्या प्रतिशत | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| उच्च घनत्व 751 तथा अधिक | 5, 6, 8, 11, 13 | 8582 | 9.5 | 30 | 12.8 |
| मध्यम घनत्व 451 से 750 | 10, 12, 15 | 5722 | 11.4 | 20 | 15.3 |
| निम्न घनत्व 450 तथा कम | 1,2,3,4 7, 9, 14 एवं बाह्य वृद्धि क्षेत्र | 14264 | 53.6 | 50 | 71.9 |
| योग | | 28640 | 74.5 | 100 | 100.00 |

नगर की लगभग 30 प्रतिशत जनसंख्या उच्च घनत्व वाले क्षेत्रों में निवास करती है जबकि मध्यम एवं निम्न घनत्व श्रेणी में जनसंख्या का निवास क्रमशः 20 प्रतिशत एवं 50 प्रतिशत है।

### 2.4.1 धारणा अधिकार

जनगणना 2001 के अध्ययन से यह प्रतीत होता है कि नगर में लगभग 75 प्रतिशत गृह स्वामी है, जो अपने निजी मकानों में रहते हैं। शेष 25 प्रतिशत जनसंख्या किराये के मकान में निवासरत है।

### 2.4.2 मकानों की सरंचनात्मक स्थिति

आवासीय भवनों की संरचनात्मक दशा की यद्यपि विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, फिर भी नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा सर्वेक्षण अनुसार नगर के लगभग 40 प्रतिशत आवास कच्चे वर्ग के हैं, जबकि शेष 60 प्रतिशत आवास पक्के अथवा अर्द्ध पक्के वर्ग के हैं। इससे यह स्पष्ट है कि पुराने नगर में स्थित मकानों की दशा दयनीय है एवं कच्चे मकानों की बाहुल्यता है। यह दशा नगर की पुरानी बसाहट एवं पुश्तैनी मकानों की अवस्थित के कारण है।

### 2.4.3 अधिवासी दर

जनगणना 1991 के अनुसार नगरसिंहगढ़ नगर की औसत अधिवासी दर 5.86 व्यक्ति प्रति आवास है, जबकि औसत परिवार आकार 5.75 है। उक्त से यह स्पष्ट है कि नगर में आवासों की कमी तथा परिवार का आकार बड़ा है।

### 2.4.4 गंदी बस्ती क्षेत्र

सामान्यतः नगर में ऐसे क्षेत्र जिनमें कच्चे एवं टूटे-फूटे मकानों की संख्या अधिक है तथा मूलभूत

सेवा-सुविधाओं का अभाव है। ऐसे क्षेत्रों को गंदी बस्ती क्षेत्र में परिभाषित किया गया है। नगरपालिका एवं नगर तथा ग्राम निवेश के सर्वेक्षण के आधार पर वर्तमान में 8 गंदी बस्ती क्षेत्र चयनित किये गये है। इन क्षेत्रों में अधिकतर कच्चे आवास तथा झुग्गी-झोपड़ियाँ हैं, जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। अत: इस क्षेत्र के पर्यावरण उन्नयन एवं व्यवस्थापन हेतु विकास योजना में प्रावधान किया जाना प्रस्तावित है। गंदी बस्तियों की सूची निम्न सारणी में दर्शित है :

## नरसिंहगढ़ : गंदी बस्तियाँ

2-सा-5

| क्रमांक | गंदी बस्ती का नाम | वार्ड क्रमांक | निवासित जनसंख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | थावरिया बस्ती * | 1 | 1000 |
| 2 | अर्जुन गौशाला * | 5 | 800 |
| 3 | चम्नी मोहल्ला(हरिजन बस्ती) * | 9 | 600 |
| 4 | बगूची मोहल्ला * | 12 | 550 |
| 5 | संजय नगर * | 12 | 750 |
| 6 | बलबटपुरा | 15 | 1000 |
| 7 | बजरंग मोहल्ला | 4 | 300 |
| 8 | बड़े बाजार की बस्ती (किले के नीचे) | 2 | 200 |
| | योग | — | 5200 |

*अधिसूचित गंदी बस्ती।

स्त्रोत : नगर तथा ग्राम निवेश सर्वेक्षण।

उपरोक्त बस्तियों में लगभग 5200 जनसंख्या निवासरत है जो नगरीय जनसंख्या का 18 प्रतिशत है।

## 2.5 आवासों की कमी

नगरीय क्षेत्र में रहवासी मकानों की कमी की समस्या का निदान अति आवश्यक है। वर्ष 1991 की जनगणना के अनुसार नरसिंहगढ़ नगर की जनसंख्या 22157 थी, जिसके अंतर्गत 3852 परिवार, 3784 आवासों में निवासरत है। इसके मान से औसत परिवार आकार 5.75 व्यक्ति आता है। प्रत्येक परिवार के लिए एक आवास आवश्यकता के आधार पर नगर में वर्ष 1991 में 68 आवासों की कमी पाई

गई। जबकि वर्ष 1981 में यह कमी 59 आवासों की थी। आवासों की कमी का आंकलन, जनसंख्या के आंकड़ों के अतिरिक्त उन मकानों की भी गणना आवश्यक है, जिनका पुर्ननिर्माण अथवा प्रतिस्थापन आवश्यक है।

नगर में स्थित गंदी बस्तियों में आवासो का 70 प्रतिशत एवं झुग्गी-झोपड़ियों का 90 प्रतिशत तथा वर्तमान जीर्ण-शीर्ण आवासों में से 4 प्रतिशत के पुर्ननिर्माण को कमी के रूप में आंकलित किया गया है, जिसका विवरण भिन्न सारणी में दिया गया है।

## नरसिंहगढ़ : आवासों की कमी

2-सा-6

| क्रमांक | विवरण | मकानों की संख्या | प्रतिस्थापन योग्य मकानों का प्रतिशत | आवासों की कमी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | वर्ष 1991 तक शेष पूर्ति | - | - | 68 |
| 2 | रहवास हेतु अनुपयुक्त आवास | 250 | 70 | 175 |
| | अ) गंदी बस्ती | | | |
| | ब) झुग्गी-झोपड़ी | 650 | 90 | 585 |
| 3 | जीर्ण-शीर्ण आावासों का पुर्ननिर्माण | 3784 | 4 | 152 |
| | योग | 4684 | - | 980 |

## 2.6 थोक एवं फुटकर व्यापार

नरसिंहगढ़ नगर में थोक व्यापार हेतु पृथक से क्षेत्र विशेष विकसित नहीं हुआ है। अत: सभी वाणिज्यिक एवं विशिष्ट व्यापारिक गतिविधियाँ नगर के मुख्य व्यस्त मार्गों के दोनों ओर मिश्रित स्वरूप में संचालित हैं। वाणिज्यिक गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र छत्री चौराहा, सब्जी बाजार, बड़ा बाजार क्षेत्र, मौलाना आजाद मार्ग तथा शीतला माता पार्क के आसापास संचालित है। वर्तमान में सब्जी मण्डी नगरपालिका के समीप स्थित है जिसे स्थानाभाव एवं पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण हेतु अन्यत्र स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है। इसी तरह आरा मशीनें, कबाड़ी संबंधी दुकानें भी नगर में यत्रतत्र संचालित हैं जिन्हें स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है।

### 2.6.1 दुकानें एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान

वर्ष 1996-97 में नगर में कुल 153 दुकानें एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान थे जो कि वर्ष 2002 में 250 हो गये। इस प्रकार उक्त अवधि में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रतिवर्ष औसतन 9.06 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इस संबंध में विगत 5 वर्षों का विस्तृत विवरण निम्न सारणी में दर्शाया गया है -

## नरसिंहगढ़ : दुकानें एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान

2-सा-7

| वर्ष | दुकानें | होटल/भोजनालय रेस्टोरेन्ट | छविगृह | योग |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1998-99 | 139 | 24 | 1 | 164 |
| 1999-2000 | 164 | 21 | 1 | 186 |
| 2000-2001 | 190 | 31 | 1 | 222 |
| 2001-2002 | 207 | 36 | 1 | 244 |
| 2002-2003 | 213 | 36 | 1 | 250 |

स्त्रोत : नगरपालिका परिषद्, नरसिंहगढ़

### 2.6.2 वाणिज्यक एवं उद्योग

सड़क यातयात के अतिरिक्त अन्य कोई यातायात की सुविधा न होने के कारण नरसिंहगढ़ नगर में व्यापारिक गतिविधियों की वृद्धि सीमित है। नगर के संलग्न परिक्षेत्र में सोयाबीन, गेहूँ, चना जैसे कृषि उत्पाद होने के कारण इनसे संबंधित उद्योगों की स्थापना की संभावना प्रबल है। वर्तमान में यहां के कृषि उत्पाद आसपास के बड़े नगरों में निर्यात किये जाते हैं। यहां की कृषि उपज मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 12 (जयपुर-जबलपुर रा.रा.मार्ग) पर स्थित होने के बावजूद भी यहां पर पर्याप्त व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियाँ विकसित नहीं हुई हैं। इनके विकासित न होने के कारणों में मुख्यत: निम्न गतिरोध रहे हैं :-

1. आसपास के वन एवं पहाड़ी क्षेत्र
2. अपर्याप्त जल व्यवस्था
3. उपयुक्त भूमि की अनुपलब्धता

### 2.7 औद्योगिक

औद्योगिक योजनान्तर्गत नगर में 1.77 हेक्टर भूमि, जो कि कुल विकसित क्षेत्र का 0.94 प्रतिशत है, जो कि नगण्य है। वर्तमान में नगर में इक्का-दुक्का छोटे उद्योगों को छोड़कर अन्य कोई औद्योगिक गतिविधि संचालित नहीं है। यहां लगभग 15-20 वर्ष पूर्व एक दाल मिल, एक जिनिंग फैक्ट्री संचालित थी जो कई वर्षों से बंद है। वर्तमान में संचालित ईंट भट्टे एवं अन्य कुम्हारी कार्य परसराम सागर के उत्तर दिशा में वन भूमि से लगे क्षेत्र में संचालित हैं, जो कि उक्त गतिविधि हेतु उपयुक्त नहीं है।

### 2.8 सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक

वर्तमान में नगर के इस उपयोग के अंतर्गत 46.13 हेक्टर भूमि है जो कुल विकसित क्षेत्र का 24.61% है। इसे अंतर्गत शैक्षणिक, स्वास्थ्य, प्रशासकीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदि गतिविधियाँ हैं।

### 2.8.1 शैक्षणिक

नगर में 1 महाविद्यालय, 1 तकनीकी शिक्षण संस्था, 3 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 7 माध्यमिक विद्यालय एवं 7 प्राथमिक शालायें है। महाविद्यालय में कला, वाणिज्य, एवं विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधि तक की शैक्षणिक व्यवस्था है। वर्तमान में नगर मे शैक्षणिक संस्थाओं का विवरण निम्नानुसार है :-

## नरसिंहगढ़ : महाविद्यालय एवं तकनीकी संस्था

2-सा-8

| क्र. | संस्था का नाम | वर्तमान स्थान | खेल का मैदान | भवन का स्वामित्व | स्थान संबंधी उपयुक्तता |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| अ- | महाविद्यालय | | | | |
| | 1. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय | अर्जुन महल एवं बग्गी खाना | हाँ | शासकीय | पर्याप्त |
| ब- | तकनीकी संस्था | | | | |
| | 2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था | बायपास रोड मण्डी गेट, नरसिंहगढ़ | नहीं | शासन | पर्याप्त |

स्तोत्र : उपरोक्तानुसार संबंधित महाविद्यालय एवं संस्था, नरसिंहगढ़

## नरसिंहगढ़ : उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

2-सा-9

| क्र. | विद्यालय का नाम | वर्तमान स्थल | लगभग क्षेत्रफल (व.मी.में) | खेल मैदान | भवन की स्थिति | भवन का स्वामित्व | स्थल संबंधी उपयुक्तता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | बालक उ.मा. विद्यालय | - | 17000 | हाँ | पक्का | शासकीय | अनुपयुक्त |
| 2 | कन्या उ.मा. विद्यालय | - | 65 | हाँ | पक्का | शासकीय | अनुपयुक्त |
| 3 | कन्या उ.मा. विद्यालय (माध्यमिक खंड) | - | 65 | हाँ | पक्का | शासकीय | अनुपयुक्त |

स्त्रोत : शिक्षा विभाग,नरसिंहगढ़

टीप : नगर के अधिकतर विद्यालयों के भवनों की दशा अत्यंत दयनीय है तथा किराये के भवनों में लगने वाले विद्यालयों को एवं अपर्याप्त स्थल में संचालित विद्यालयों को स्थानांतरित करना आवश्यक है।

### 2.8.2 स्वास्थ्य

नगर में एक शासकीय चिकित्सालय 1 सिटी डिस्पेन्सरी, 1 आयुर्वेदिक डिस्पेन्सरी तथा 1 नर्सिग होम संचालित है। विशेषीकृत स्वास्थ्य सुविधा हेतु अथवा गंभीर प्रकृति के इलाज हेतु नगरवासी भोपाल स्थित स्वास्थ्य सेवाओं पर आश्रित है। चिकित्सालयों के अलावा नगर में निजी चिकित्सक भी स्वास्थ्य सेवाओं में संलग्न है। जो आंशिक रूप से चिकित्सीय आवश्यकताओं की पूर्ति करते है। कुल मिलाकर नगर में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध नहीं है। नगर में 1 पशु चिकित्सालय भी है।

**नरसिंहगढ़ : वर्तमान स्वास्थ्य सेवायें**

**2-सा-10**

| क्र. | चिकित्सालय का नाम | स्थल की स्थिति | चिकित्सा बिस्तरों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | शासकीय चिकित्सालय | तहसील रोड(जेल के सामने) | 37 |
| 2 | सिटी डिस्पेन्सरी | नगरपालिका परिसर के पीछ | – |
| 3 | आयुर्वेदिक डिस्पेन्सरी | छत्री चौक, थाने के सामने | – |
| 4 | नेहा नर्सिग होम | बाराद्वारी (ब्यावरा रोड) | 10 |

स्त्रोत : जिला कार्यालय नगर तथा ग्राम निवेश सर्वेक्षण।

### 2.8.3 कार्यालय

नरसिंहगढ़ नगर तहसील मुख्यालय होने के कारण यहां शासन के तहसील स्तरीय कार्यालय स्थित है। अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, न्यायालय एवं अन्य विभागों के कार्यालय, तहसील कार्यालय परिसर में तथा इससे लगे हुए है। जबकि कुछ कार्यालय तिलक मार्ग पर कार्यरत है।नगर में कार्यरत कुल 14 कार्यालय में 776 कर्मचारी कार्यरत है। नगर में संचालित कार्यालयां का विवरण निम्न सारणी में दर्शित है। :

**नरसिंहगढ़ : कार्यालयों की जानकारी**

**2-सा-11**

| क्रमांक | प्रकार | कार्यालयों की संख्या | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | राज्य शासन | 8 | 388 |
| 2 | अर्द्ध शासकीय राज्य शासन | 1 | 260 |
| 3 | स्वायत्त संस्थायें | 3 | 98 |

स्त्रोत : जिला रोजगार कार्यालय एवं नगर तथा ग्राम निवेश का सर्वेक्षण।

उपरोक्त के अतिरिक्त नगर में डाकघार, दूरसंचार कार्यालय तथा 4 बैक भी संचालित है। जिनमें कार्यरत कर्मचारी भी नगर में निवासित है।

### 2.8.4 सामाजिक एवं सांस्कृतिक

नगर में सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों हेतु मेला ग्राउण्ड के समीप नवनिर्मित कम्युनिटी हाल स्थित है। जहां विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते है। उपरोक्त के अलावा नगर में स्थित मंदिरों के पास के क्षेत्राों का भी उक्त गकितविधियों हेतु उपयोग किया जाता है। साथ ही नगर में 1 क्लब भी है जहां आंतरिक एवं बाह्य खेलों की व्यवस्था है। नगर के सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में निम्न मेलों का भी योगदान है जिनमें आसपास के क्षेत्र के रहवासी बड़ी संख्या में एकत्रित होकर उत्सव मनाते है। नगर के प्रमुख मेले निम्नानुसार हैं :-

**नरसिंहगढ़ : मेलों का आयोजन**

2-सा-12

| क्र. | मेले का नाम | स्थल | दिवस | यात्री संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | फागुन मेला | बड़े महादेव (बैजनाथ महादेव) मेला ग्राउंड | 15 | 5000 |
| 2 | जेठ मेला/पशु मेला | जगदीश मंदिर का मैदान, भरतगढ़ कुंआ | 15 | 10000 |
| 3 | श्रावंण सोमवार मेला | छोटे महादेव | श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को | 12000 |
| 4 | उर्स (बाबा भेड़ेवाले) | बाबा की मजार | 3 दिवसीय उर्स | 1500 |

स्त्रोत: नगर तथा ग्राम निवेश का सर्वेक्षण

## 2.9 सार्वजनिक सेवायें एवं सुविधायें

इस उपयोग के अंतर्गत नगर में 11.54 हेक्टर भूमि आती है जो कुल विकसित क्षेत्र का 6.16 प्रतिशत है। इसके अंतर्गत विद्युत केन्द्र एवं उपकेन्द्र, श्मशान, कब्रिस्तान, जल-प्रदाय, जल-मल निकास,